Literacy for a Billion

Movie: Pyar Hi Pyar
Year: 1969

Song: Main Kahi Kavi Na Ban Jau
Lyricist: Hasrat Jaipuri

मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ
तेरे प्यार में ए कविता
मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ
तेरे प्यार में ए कविता
मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ

तुझे दिल के आईने में
मैंने बार बार देखा
तुझे दिल के आईने में
मैंने बार बार देखा

तेरी अँखड़ियों में देखा
तो छलकता प्यार देखा
तेरा तीर मैंने देखा
तो जिगर के पार देखा

मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ
तेरे प्यार में ए कविता
मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ

तेरा रंग है सलोना
तेरे अंग में लचक है
तेरा रंग है सलोना
तेरे अंग में लचक है

तेरी बात में है जादू
तेरे बोल में खनक है
तेरी हर अदा मुहब्बत
तू ज़मीन की धनक है

मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ
तेरे प्यार में ए कविता
मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ

मेरा दिल लुभा रहा है
तेरा रूप सादा सादा
मेरा दिल लुभा रहा है
तेरा रूप सादा सादा
ये झुकी झुकी निगाहें
करें प्यार दिल में ज़्यादा
मैं तुझी पे जान दूँगा
है यही मेरा इरादा

मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ
तेरे प्यार में ए कविता
मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ
तेरे प्यार में ए कविता
मैं कहीं कवि ना बन जाऊँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.